दिनांक 27 सितम्बर, 2018 को नामकूम, राँची में स्वच्छता ही सेवा – 2018 कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का राज्य स्तरीय समारोह में माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण:–

परम आदरणीय माननीय उप राष्ट्रपति महोदय, राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास जी, माननीय मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग श्री चन्द्रप्रकाश चौधरी जी समेत राज्य सरकार के अन्य मंत्रीगण, उपस्थित सभी सांसदगण, विधायकगण, मंचासीन सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार, निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड सरकार समेत अन्य अधिकारीगण, देवियों और सज्जनों तथा प्रेस एवं मीडिया के प्रतिनिधिगण!

सर्वप्रथम मैं परम आदरणीय माननीय उप राष्ट्रपति महोदय का झारखण्ड की इस पावन धरती पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करती हूँ। माननीय उप राष्ट्रपति महोदय प्राकृतिक एवं खनिज सम्पदा से समृद्ध इस राज्य के विकास के प्रति सतत् प्रयत्नशील है। राँची का स्मार्ट सिटी परियोजना में सम्मिलित होने में उनका मार्गदर्शन अहम रहा है। सभी के लिए सौभाग्य का विषय है कि उनके कर–कमलों द्वारा ही विगत वर्ष इस परियोजना का शिलान्यास हुआ। यह सर्वविदित है कि हमारे परम आदरणीय उप राष्ट्रपति महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री महोदय के महत्वाकांक्षी योजना ''स्वच्छ भारत अभियान'' को प्रारंभ करने में केन्द्रीय मंत्री के रूप में अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वहन किया है। ऐसे में स्वच्छता ही सेवा – 2018 कार्यक्रम के तहत आयोजित जागरूकता

कार्यक्रम में उनकी गरिमामयी उपस्थिति निश्चय ही सम्पूर्ण राज्यवासियों को इस दिशा में प्रेरित करने का कार्य करेगा।

भारतीय संस्कृति का स्वच्छता से पुराना संबंध रहा है। अधिकांश पर्व–त्योहारों के पूर्व लोग अपने घरों की साफ–सफाई करते हैं। लेकिन विडम्बना थी कि स्वच्छता का यह अभियान केवल अपने घरों तक ही सीमित था। अपने घरों की सदा स्वच्छता के साथ सार्वजनिक स्थलों की स्वछता के प्रति लोगों में संजीदगी का अभाव था। ऐसे में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं बतौर केन्द्रीय मंत्री आपके द्वारा ''स्वच्छ भारत अभियान'' राष्ट्रीय स्तर पर चलाकर देश को स्वच्छ, सुन्दर एवं साफ बनाने की दिशा में एक क्रान्तिकारी पहल की गई। यह अभियान 2 अक्टूबर, 2014 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के 145वें जयंती के अवसर पर शुरू किया गया था। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने देश को गुलामी से मुक्त कराया, परन्तु ''स्वच्छ भारत'' का उनका सपना पूरा नहीं हुआ। राष्ट्रपिता ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। यह सही अर्थों में महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि थी। सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने का अपील की गई। देश को स्वच्छ रखना ना केवल सरकार का बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होता है। स्वच्छ वातावरण भला किसे अच्छा नहीं लगता है। ''गांधीजी के सपनों का भारत बनायेंगे, चारो तरफ स्वच्छता फैलायेंगे।''

भारत सरकार द्वारा आरंभ इस अभियान का मकसद गलियों, सड़कों तथा अधोसंरचना को साफ-सुथरा रखने के साथ खुले में शौच की समस्या को भी कम करना या समाप्त करना है। हमारी देश की एक बड़ी आबादी खुले में शौच हेतु पहले जाती थी। हमारी मातायें-बहनें अँधेरा होने का इंतजार करती थी कि कब अन्धेरा होगा कि वे शौच हेतु जा सके? ऐसे में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने हर घर में शौचालय उपलब्ध कराने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। इसका परिणाम है कि आज कई जिले, कई प्रखण्ड, ग्राम खुले में शौच मुक्त घोषित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री महोदय का ऐसे जन-कल्याणकारी योजनाओं के लिए आभार प्रकट करती हूँ।

प्रसन्नता का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 15 सितम्बर 2018 से 2 अक्टूबर 2018 तक पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान को एक जन-आन्दोलन के रूप में चलाया जा रहा है। उनके आह्वान पर अब पूरे देश में स्वच्छता क्रान्ति का रूप ले चुका है। इस अभियान में सभी वर्ग एवं समुदाय को जोड़ते हुए स्वच्छता को चिर स्थायित्व देने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत दिनांक 25 सितम्बर, 2018 को ''स्वच्छाग्रहियों के स्वच्छाग्रही : एक से अनेक'' विशेष दिवस के रूप में न केवल पूरे झारखण्ड में, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में पूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया है। लोगों एवं जनसमुदायों के मध्य स्वच्छता का संदेश दिया गया। मैं भी समय-समय पर स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों में रूचि लेकर जाती हूँ तथा लोगों को

स्वच्छता हेतु आह्वान करती हूँ। इस क्रम में, दिनांक 22 सितम्बर, 2018 को लालपुर की एक बस्ती गई थी तथा वहाँ भी आह्वान किया। स्वच्छता से युवाओं को जोड़ने पर मेरा विशेष बल रहा है। मैं मानती हूँ कि हमारे युवा ही समाज के संवाहक हैं। ऐसे में स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में भी उनकी अहम भागीदारी होने चाहिये। इस परिप्रेक्ष्य में मेरे द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपति के साथ बैठक में सभी विश्वविद्यालयों से कहा गया कि N.S.S. के Volunteers विभिन्न इलाकों में जाकर स्वच्छता सहित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी अदा करें। हमारा मानना है कि सिर्फ शौचालय बनाने से देश स्वच्छ हो जायेगा, ऐसा नहीं है। शौचालय का निरंतर उपयोग हो तथा शौचालय भी साफ रहे।

झारखण्ड राज्य में स्वच्छता कवरेज में वृद्धि हो रही है और आशा है कि जल्द ही पूरा राज्य खुले में शौच मुक्त हो जायेगा। इस क्रम में यह भी आवश्यक है कि लोगों को शौचालय के निरंतर उपयोग हेतु प्रेरित किया जाय। कुछ लोग हैं जो शौचालय होने के बावजूद बाहर जाना पसंद करते हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से समझाना होगा। राज्य में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन हेतु ग्राम संगठनों एवं मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कार्यक्रम से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया गया है। इन समूहों द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित कर रानी मिस्त्री के रूप में शौचालय

निर्माण कार्य की जिम्मेदारी प्रदान की गई है। राज्य के कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के लिए जरूरी सुविधायें सुलभ कराने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। यहाँ के शिक्षिकाओं और किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। मैं भी राज्य में स्थित विभिन्न कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय का भ्रमण कर बालिकाओं की समस्याओं से अवगत होती हूँ। उन्हें पढ़ाई, खेलकूद के साथ स्वच्छता हेतु प्रोत्साहित करती हूँ।

अन्त में, मैं स्वच्छता के सन्दर्भ में यही कहना चाहूँगी कि स्वच्छता एक आदत है जिसे रोज के दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। हम सभी जानते हैं कि गंदगी से कितनी बीमारियां फैलती हैं। यदि हम अपने आसपास स्वच्छता का ध्यान रखेंगे तो विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। सरकार अपनी ओर से इस अभियान में पूरा जोर लगा रही है। ‘‘गंदगी को दूर भगाओ, भारत को स्वच्छ बनाओ।’’ सभी नागरिकों का यह कर्तव्य है कि सबके हित में इस अभियान में सरकार का पूरा सहयोग दें। हमें अपने घरों, कार्यालयों, स्कूलों में वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए, उनके अंदर या बाहर कहीं भी गंदगी, कूड़ा, गंदा पानी इत्यादि एकत्र नहीं होने देना चाहिए। यहां–वहां थूकना और मल–मूत्र त्याग नहीं करना चाहिए। इनके लिए निर्धारित स्थानों पर ही यह करना चाहिए। याद रखें जब हम स्वच्छ रहेंगे तभी हम स्वस्थ रहेंगे और आगे बढ़ेंगे। ‘‘कदम से कदम मिलाना है, भारत

को स्वच्छ बनाना है", सभी नागरिकों को संकल्प लेना होगा। माननीय उप राष्ट्रपति महोदय, आपने इस प्रकार के कार्यक्रम में आकर लोगों को स्वच्छता की दिशा में प्रेरित करने का अत्यन्त पुनीत कार्य किया है, इसके लिए मैं आपका हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ। आशा है कि आपका मार्गदर्शन इस राज्य को निरंतर इसी प्रकार मिलता रहेगा ताकि राज्य प्रगति के पथ और तीव्र गति से चलता रहे। यहाँ की सभी जनता खुशहाल रहे। सबकी खुशहाली एवं उन्नति में ही राज्य की प्रगति निहित है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!